

संसद के सदनों की उत्पादकता

स्रोत: द हट्टि

हाल ही में **बजट सत्र** के बाद **संसद** के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) को **अनश्चिति काल के लिये स्थगित** कर दिया गया।

- **अनश्चिति काल के लिये स्थगन** से तात्पर्य संसदीय सत्र को अनश्चिति काल हेतु समाप्त करना है तथा पुनः बैठक शुरू करने की कोई तथि निर्धारित नहीं की जाती।
- लोकसभा ने **15 बैठकों की**, कुल **115 घंटे चले** तथा उत्पादकता दर 136% रही। वहीं **राज्य सभा ने 90 घंटे और 35 मिनट तक काम किया** तथा उत्पादकता दर **118%** रही।
- सत्र के दौरान लोकसभा में 27 घंटे से अधिक समय बजट पर चर्चा के लिये समर्पित रहा।

संसद के दोनों सदनों की उत्पादकता:

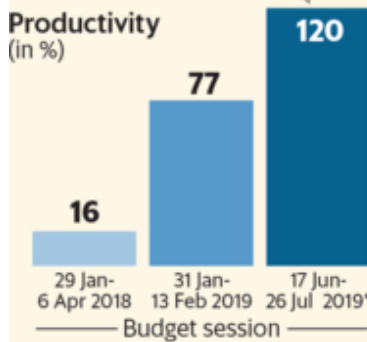
- यह एक सत्र के दौरान किये गए विधायी कार्य की मात्रा को दर्शाता है। इसमें पारित किये गए विधियकों की संख्या, उत्तर दिये गए प्रश्न और आयोजित बहसों शामिल हैं।
- उत्पादकता को प्रभावित करने वाले कारक:
 - **बैठकों की संख्या:** अधिक बैठकों से सदन को अपना कार्य निष्पादित करने के लिये अधिक समय मिलता है।
 - **प्रत्येक बैठक की अवधि:** लंबी बैठकें अधिक बहस और चर्चा का अवसर प्रदान करती हैं।
 - **उपस्थित सदस्यों की संख्या:** उपस्थित सदस्यों की अधिक संख्या का अर्थ है कबिहस और मतदान में भाग लेने के लिये अधिक लोग होंगे।
 - **व्यवधान का सत्र:** वरिध प्रदर्शन और वॉकआउट जैसे व्यवधान, बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं और सदनों को अपना काम करने से रोक सकते हैं।

//

Minimum disruption, maximum productivity

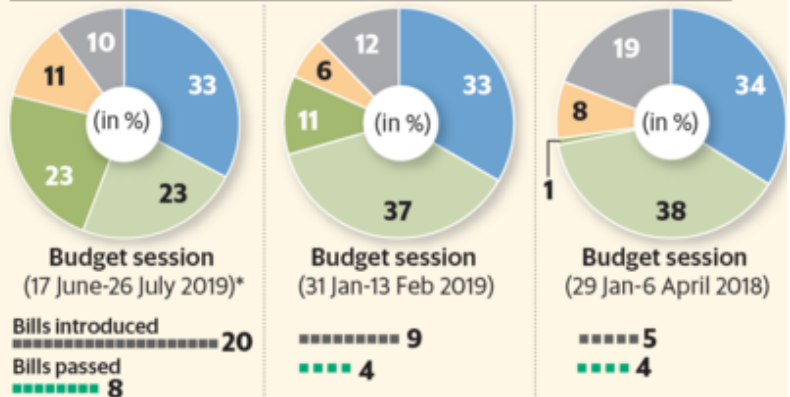
The ongoing budget session has seen 120% productivity in the 17th Lok Sabha in the backdrop of NDA winning a majority in the elections to the Lower House.

Working days till 16 July: **20**
Days with no lunch break: **8**
Number of adjournments: **0**
Adjournments post 11pm: **3**



Breakup of business

Financial Non-legislative Legislative Questions Others



*Data till 16 July Source: PRS Legislative Research

अधिक पढ़ें: [लोकसभा की दक्षता और नहितार्थ](#)

